


02.05.24

पत्रावली पेश हुई। अधिवक्ता अपीलान्ट उपस्थित। उन्होंने रेस्पोजेन्ट संख्या 2 के वारिसान के रजिस्टर्ड नोटिस व संशोधित उनवान पेश करने हेतु अवसर माहा।

हमने पत्रावली का अवलोकन किया जिससे विदित है कि प्रकरण वर्ष 2004 से विचाराधीन चल रहा है तथा प्रकरण में दिनांक 15.04.2004 को स्थगन भी दिया हुआ है। प्रकरण में दिनांक 05.12.2019 को रेस्पोजेन्ट संख्या 2 के वारिसान को रिकार्ड पर लिया गया है एवं अधिवक्ता अपीलान्ट को संशोधित उनवान व रेस्पोजेन्ट संख्या 2 के वारिसान के रजिस्टर्ड नोटिस पेश करने के आदेश पारित किये गये हैं। तत्पश्चात् अधिवक्ता अपीलान्ट द्वारा कई बार अवसर लेने के उपरान्त भी आदिनांक तक संशोधित उनवान एवं रजिस्टर्ड नोटिस पेश नहीं किये गये हैं। इस प्रकार अधिवक्ता अपीलान्ट की ओर से न्यायालय हाजा के आदेशों की पालना नहीं की जा रही है। प्रकरण काफी पुराना वर्ष 2004 का है। ऐसी स्थिति में अपीलार्थी की ओर से न्यायालय हाजा के आदेशों की पालना नहीं किये जाने के कारण अपील अपीलार्थी खारिज किया जाना न्यायोचित है।

अतः उपरोक्त विवेचन के आधार पर अपीलार्थी की ओर से न्यायालय हाजा द्वारा प्रदत्त आदेशों की पालना नहीं किये जाने के कारण अपील अपीलार्थी खारिज की जाती है।

  
(डॉ० प्रवीण कुमार)  
अति.संभागीय आयुक्त,  
जयपुर।